ओमशान्ति मीडिया

OM SHANTI GLOBAL FAMILY
PLATINUM JUBILEE
75
BRAHMAKUMARIS
2011

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 12 अंक - 24 मार्च - 11, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.00 रु.

शिवरात्रि पर्व परमात्मा के दिव्य कर्त्तव्यों की यादगार

माउंट आबू। शिवरात्रि महापर्व अज्ञान विनाश का प्रतीक है। परम पवित्र परमात्मा का ज्ञान ग्रहण करने के लिए बुद्धि को भी पवित्र बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सहज राजयोग का अभ्यास नितांत आवश्यक है।

उक्त उद्गार संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने शिवरात्रि के अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि परमात्मा को याद करने से जीवन में सुख, शांति, आनंद व पवित्रता का समावेश होता है। यह गुण मानव जीवन के श्रृंगार हैं। शिवरात्रि पर्व हमें परमात्मा के दिव्य कर्त्तव्यों की याद दिलाता है कि कैसे उसने इस धरा पर अवतरित होकर सृष्टि को पावन बनाने का कार्य किया था व इस पतित दुनिया को श्रेष्ठचारी युग अर्थात् सतयुग में परिवर्तन किया था। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में किसी भी चीज का अहंकार नहीं होना चाहिए। क्योंकि इसके कारण मनुष्य स्वयं तो दु:खी होता ही है व दूसरों को भी दु:खी करता है।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि एक शिव परमात्मा ही है जिनके लिए जन्मदिन कहकर

शिवरात्रि मनाई जाती है। समाज में बढ़ते अंधकार को दूर करने के लिए स्वयं में आध्यात्मिकता का समावेश करना जरूरी है। शिवरात्रि महापर्व पर शिव परमात्मा के समक्ष दृढ़प्रतिज्ञा करने से शक्ति मिलती है जिससे सहज ही जीवन में आने वाली सभी प्रकार की बाधाओं को पार किया जा सकता है।

संस्था की सह मुख्य प्रशासिक दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा परम पवित्र हैं, पवित्र ज्ञान ग्रहण करने के लिए मन-वचन-कर्म की पवित्रता होनी चाहिए। तभी हम परमात्मा के ज्ञान को समझ सकेंगे व उसका अनुभव भी कर सकेंगे।

ज्ञान सरोवर अकादमी की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि अपनी बुराईयों को शिव के ऊपर अर्पण करने से परमात्मा से शक्ति व वरदान प्राप्त होता है। संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि शिव परमात्मा से ज्ञान का तीसरा नेत्र प्राप्त करने के बाद ही अज्ञान अंधकार से मुक्त होकर शिवरात्रि त्योहार का सच्चा आनंद अनुभव

(शेष पृष्ठ ७ पर)

परमात्म अवतरण का पहुंचाया संदेश

शिवजयंति के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज् संस्थान के द्वारा देश-विदेश में लगभग लाखों प्रोग्रामों का आयोजन कर परमात्मा के दिव्य अवतरण से सम्बन्धित देश भर में भव्य 'शिव दर्शन' आध्यात्मिक मेलाओं का भी आयोजन किया गया। लाखों लोगों को परमात्मा के दिव्य अवतरण के आध्यात्मिक रहस्य से अवगत कराया। मेले में तर्क एवं ज्ञान सहित चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से भी लोगों को दिव्य संदेश दिया गया। परमात्मा इस धरा पर आकर पुन: इस भारत को 'स्वर्णिम' बनाने के भगीरथ कार्यों से भी अवगत कराया गया।

विदेश में भी कई जगहों पर शिव जयंति के अवसर पर परमात्मा के दिव्य अवतरण से सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समय चारों तरफ अस्थिरता, भय के मध्य महौल में आध्यात्मिक शक्ति के माध्यम से ही हमें जीवन में शांति अर्जित कर सकते हैं। ये संदेश सारे विश्व में फैलाया गया।